

[This question paper contains 4 printed pages.]

1247

Your Roll No.

आपका अनुक्रमांक _____

LL.B.

III Term

JS

Paper LB-3034

PRIVATE INTERNATIONAL LAW

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi; but
the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में
दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any Five questions including

Q. No. 1 which is, compulsory.

All questions carry equal marks.

अनिवार्य प्रश्न क्रमांक 1 सहित कुल पाँच प्रश्न कीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1247

2

1. Attempt any four of the following :-

- (a) Domicile of dependent person
- (b) Intended matrimonial home
- (c) Proof of foreign law
- (d) Proper law for tort
- (e) Direct enforcement of foreign judgement

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए :

- (क) आश्रित व्यक्ति का अधिवास
- (ख) आश्रित वैवाहिक गृह
- (ग) विदेशी विधि का सबूत
- (घ) अपकृत्य हेतु उपयुक्त विधि
- (ङ) विदेशी निर्णय का प्रत्यक्ष प्रवर्तन

2. "Proper law of contract is the one with which the transaction has its closest and real connection."
Comment.

"संविदा की उपयुक्त विधि वह है जिसके साथ संव्यवहार का निकटतम और वास्तविक सम्बन्ध होता है।" टिप्पणी लिखिए।

3. What are the defences available in an action to enforce a foreign judgement in India ?

भारत में किसी विदेशी निर्णय का प्रवर्तन करने के लिए अनुयोग में क्या प्रतिरक्षण उपलब्ध हैं ?

1247

3

4. Distinguish between public and Private International Law: Is unification of Private International Law desirable ?

सार्वजनिक और प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि के बीच भेद स्पष्ट कीजिए ।
क्या प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि का एकीकरण वांछनीय है ?

5. Discuss the rules of Private International Law in determining the essential validity of marriage.

विवाह की आवश्यक विधिमान्यता अवधारित करने में प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि के नियमों का विवेचन कीजिए ।

6. Distinguish between domicile and nationality. Explain the status of domicile of married women in India.

अधिवास और राष्ट्रिकता के बीच भेद दर्शाइए । भारत में विवाहित स्त्री के अधिवास की प्रास्थिति स्पष्ट कीजिए ।

7. Mohd. Hanif domiciled in India married Jane domiciled in England. Their marriage took place in England. After their marriage both husband and wife settled down in India. After sometime the husband dissolved the marriage by pronouncing 'Talaq' according to Muslim law. It was pronounced in India. Jane returned to England and married Robert in England. Examine whether Jane's marriage with Robert was valid.

मौहम्मद हनीफ का अधिवास भारत में था । उसने इंग्लैंड की अधिवासी जेन के साथ विवाह किया । उनका विवाह इंग्लैंड में सम्पन्न हुआ ।

P. T. O.

विवाहोपरान्त पति तथा पत्नी दोनों भारत में बस गए। कुछ दिन बाद पति ने मुस्लिम विधि के अनुसार 'तलाक' बोल कर विवाह विघटित कर दिया। 'तलाक' भारत में प्रव्यापित किया गया था। जेन इंग्लैंड वापस चली गई तथा उसने इंग्लैंड में रॉबर्ट के साथ विवाह कर लिया। जांच कीजिए कि क्या रॉबर्ट के साथ जेन का विवाह विधिमान्य था ?

8. Explain the successive stages in a suit involving the application of Private International Law.

उस वाद की उत्तरोत्तर अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए जिसमें प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि का अनुप्रयोग शामिल हो।